



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 9, 1980 (श्रावण 18, 1902)

No. 32]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1980 (SRAVANA 18, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	475	किए गए साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	999	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों की छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधि- सूचित विधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई, अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	859	भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	8809
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खण्ड 2—एकसूच कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	421
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी	—	भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधि- सूचनाएं, अध्यादेश, विज्ञापन और नोटिस शामल हैं	2509
		भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर- सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	127

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई ।

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 475	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	PAGE *
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	999	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	859	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	8809
PART II—SECTION 1.—Act, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 2.—Notification and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	421
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committee on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2599
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	127

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions Issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1979

सं० 54-प्रेज/80—राष्ट्रपति केरल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अनुवायल ओनक्कन धर्मन,
पुलिस कांस्टेबल सं० 2921,
केरल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

17 अक्टूबर, 1977 को जब श्री अनुवायल ओनक्कन धर्मन साथ 5 बजे के लगभग अपने घर को जा रहे थे, तो उन्होंने देखा कि राजकीय लोअर प्राईमरी विद्यालय अम्बालाव्यल के कुछ बच्चे नदी के पार स्थित अपने घरों को जाने के लिए षट्टान के ऊपर चढ़कर चिनगरी नदी को पार कर रहे हैं, क्योंकि उस दिन भारी वर्षा के कारण नदी का छोटा पुल बह गया था। दो छोटे बच्चे जिनकी आयु 11 वर्ष और 10 वर्ष थी, बुधटनावण षट्टान से फिसल कर नदी में गिर गए और तेज धारा में बह गए। श्री धर्मन अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए नदी में कूद पड़े और उन्होंने दोनों बच्चों को डूबने से बचा लिया। उन्होंने नदी में फसे 20 बच्चों को भी सुरक्षित रूप से नदी को पार करने में मदद की। ऐसा करते हुए वे स्वयं नदी की तेज धारा में एक 6 वर्षीय लड़की के साथ बह गये। उन्होंने बच्चों के और अपने जीवन को बचाने के लिए बहुत अधिक संघर्ष किया परन्तु वे बेहोश हो गये। कुछ लोग जिन्होंने उन्हें संघर्ष करते हुए देखा तुरन्त घटनास्थल पर गए और वे कांस्टेबल को बचाने में समर्थ हुए लेकिन लड़की बह गयी। श्री धर्मन ने बच्चों की जान बचाने के लिए अपनी जान को खतरे में डाला और ऐसा करने में उन्हें बहुत सी चोटें आईं।

बच्चों को डूबने से बचाने में, श्री अनुवायल ओनक्कन धर्मन ने उत्कृष्ट बीरता, पहलशक्ति एवं उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 17 अक्टूबर, 1977 से दिया जाएगा।

सं० 55-प्रेज/80—राष्ट्रपति जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री जॉन बुजैय,
पुलिस उप-निरीक्षक,
नं० 654/एन० जी० थो०,
जम्मू और कश्मीर।

श्री गु० हंडर,
कांस्टेबल नं० 33/कि० एल०
जम्मू और कश्मीर।

श्री सोनम चेवांग,
कांस्टेबल नं० 111/कि० एल०,
जम्मू और कश्मीर।

श्री अब्दुल रहमान,
कांस्टेबल नं० 29/कि० एल०,
जम्मू और कश्मीर।

श्री गुलाम हुसैन,
कांस्टेबल नं० 145/कि० एल०,
जम्मू और कश्मीर।

श्री हम्मत उल्लाह,
कांस्टेबल नं० 144/कि० एल०,
जम्मू और कश्मीर।

श्री नबू श्रीखस,
कांस्टेबल नं० 164/कि० एल०,
जम्मू और कश्मीर।

श्री गुलाम नबी,
कांस्टेबल नं० 38/कि० एल०,
जम्मू और कश्मीर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

नवम्बर, 1979 के अंतिम सप्ताह में कुछ ट्रको/पेट्रोल टैंकरों का एक काफिला जो लेह से श्रीनगर के लिए रवाना हुआ था, गुमरी और ड्रास के बीच एक स्थान पर भारी बर्फानी तूफान में फस गया। बाह्य और उनमें बैठे लोग बहा पर घिर गए। घटना के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस उप-निरीक्षक श्री जॉन बुजैय तथा कांस्टेबल सर्वश्री गु० हंडर, सोनम चेवांग, अब्दुल रहमान, गुलाम हुसैन, हम्मत उल्लाह, नबू श्रीखस, गुलाम नबी का एक घल 28 नवम्बर, 1979 को पंदल ड्रास से भेजा गया। यद्यपि पुलिस दल को यह सलाह दी गई थी कि उनका ड्रास से आगे जाना खतरनाक है क्योंकि ड्रास से आगे सड़क और अन्य विशिष्ट मार्ग भारी बर्फ से दबे हुए हैं और तापमान शून्य से 35 फ़ांश नीचे है तथापि उन्होंने पीछे लौटने से इंकार कर दिया और कठिनाई में फसे वाहनों और उनके सवारों को बचाने के लिए घुटनों तक बर्फ से ठके निर्जन क्षेत्र में प्रयत्न करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने घिरे हुए वाहनों में बैठे व्यक्तियों को बचाया और उनकी भोजन और आश्रय उपलब्ध कराया। पुलिस दल के पहुंचने से पहले एक भारी हिम-स्खलन एक तेल टैंकर को इसके ड्राइवर और क्लिनर सहित बहा कर ले गया था और वे खड्ड में दबे पड़े थे। फिर भी पुलिस दल ने बुधटना-ग्रस्त टैंकर का पता लगाने के लिए एक विस्तृत कार्रवाई की। शून्य से कम तापमान और मंयकर बर्फानी तूफान में पुलिस दल ने अपने जीवन के खतरे की परवाह न करके पहाड़ के ऊपर और नीचे लगभग 50 कि० मी० का कठिन रास्ता पार किया। अन्त में वे ड्राइवर और क्लिनर दोनों के शवों का पता लगाने में सफल हो गए। उन्होंने बर्फ में से उनके शवों को बाहर निकाला और अपने कंधों पर उठाकर लाए और चार दिन बाढ़ ड्रास पहुंचे। वापिस आते हुए मार्ग में उन्होंने पांच व्यक्तियों

के एक अन्य दल को भी जो बर्फानी तूफान से कठिनाई में फँस गया था बचाया। उपरोक्त वर्णित पुलिस कर्मचारियों ने अपने निजी जीवन की सुरक्षा की परवाह न करते हुए जम्मू और कश्मीर के वेह क्षेत्र में भयंकर बर्फानी तूफान के दौरान अनेक कठिनाईयों में फँसे व्यक्तियों की सहायता की।

इस कार्रवाई में सशस्त्री उमैत पुज्य, गु० हंवर, सोनम बेबांग, अशुल रहमान, गुलाम हुसैन, हसमत उल्लाह, नबी अगिबस, गुलाम नबी ने अमृ-कण्ठीय साहस, उत्कण्ठ वीरता एवं उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2 ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 28 नवम्बर, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 56-प्रेज/80—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं —

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री ईश्वर सिंह डागर,

पुलिस उप-अधीक्षक,

8वीं बटालियन,

केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल।

सेवास्रो का विवरण जिसके लिए पदक प्रदान किया गया।

13/14 नवम्बर, 1979 को रात्रि को गांधी नगर, जम्मू के गोल मार्किट क्षेत्र में एक भयानक आग लग गयी। आग की लपटें देखने पर, ड्यूटी पर तैनात सतरी ने श्री ईश्वर सिंह डागर को सूचित किया, जो नजदीक ही केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के हाते में रह रहे थे। श्री डागर तुरन्त घटनास्थल पर पहुँचे और केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल एवं अन्य पुलिस कार्मिकों की मदद से लकड़ी की दुकानों में से सभी वस्तुओं को निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। हालाँकि बिजली लग जाने से भूस्थ होने की संभावना थी लेकिन श्री डागर बबराए नहीं और दुकान की छत पर चढ़कर उन्होंने बिजली की तारों को काट दिया ताकि आग साथ लगी सुन्दर काशोनी, सिनेमा घर तक फैल न सके। उसके बाद श्री डागर एक लकड़ी की दुकान जो आग की लपटों से घिरी थी, की छत पर गए जिसके अन्दर बहुत से नागरिक फँसे हुए थे। दुकान में प्रवेश करने के लिए उन्होंने ऊपर की छत से लकड़ी के तख्तों को तोड़ा। इस प्रक्रिया में उनके कुछ खरोचे भाई और सिरू में चोट लगी लेकिन अपनी कोटो और व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करके उन्होंने बचाव कार्य को साहस पूर्वक जारी रखा और एक-एक करके चारों नागरिकों को अपने कंधे पर सुरक्षित स्थानों पर लेकर आए।

इस कार्रवाई में श्री ईश्वर सिंह डागर ने उत्कण्ठ वीरता, नेतृत्व एवं उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 13 नवम्बर, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 57-प्रेज/80—राष्ट्रपति दिल्ली पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं —

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री राजबीर सिंह,

कांस्टेबल (अब हूँड कांस्टेबल),

दिल्ली पुलिस,

दिल्ली।

सेवास्रो का विवरण जिसके लिए पदक प्रदान किया गया।

27 अक्टूबर, 1978 को, श्रीनिवासपुरी पुलिस स्टेशन के कांस्टेबल श्री रघबीर सिंह जो हवाभात ड्यूटी पर थे, अपराह्न लगभग 8.30

बजे उन्मत्त हो गया और अपनी सब्सि राईफल से अघातग्रस्त गोली चलाते लगा। परिणामस्वरूप विस्फोट पुलिस के दो जवान तथा चार अन्य व्यक्ति जखमी हो गए जिनमें से एक की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। वह भरी हुई राईफल लेकर भयावह स्थिति में उस क्षेत्र में घूम रहा था। उसके पास किसी को जाने का साहस नहीं था। श्री राजबीर सिंह, कांस्टेबल ने साहस किया और चुपके से पुलिस स्टेशन भवन की पहली मजिल में गए और धीरे-धीरे रंगते हुए श्री रघबीर सिंह कांस्टेबल, जो अब भी गोलीयाँ चला रहा था, के ठीक ऊपर के स्थान पर पहुँचे। उपयुक्त समय पर कांस्टेबल राजबीर सिंह ने पहली मजिल की खिड़की से कांस्टेबल रघबीर सिंह के ऊपर छलांग लगायी, जो उस समय तक राजबीर सिंह की उपस्थिति से अवगत हो चुका था। राजबीर सिंह को कांस्टेबल रघबीर सिंह के साथ हाथापाई हुई, इस दौरान रघबीर सिंह ने एक गोली चलायी जो राजबीर सिंह के कंधे और कनपटी से रगड़ जाती हुई निकल गई। श्री राजबीर सिंह ने साहस नहीं छोड़ा और कांस्टेबल रघबीर सिंह को मिशस्त्र कर दिया, जिसे काबू में कर लिया गया। श्री राजबीर सिंह के हाथों और टांगों में पहली मजिल से छलांग लगाने के कारण मामूली चोटें आईं।

इस कार्रवाई में श्री राजबीर सिंह ने उत्कण्ठ वीरता, पहलुशक्ति एवं उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 27 अक्टूबर, 1978 से दिया जाएगा।

सु० नीलकण्ठन, राष्ट्रपति के उप सचिव

राज्य सभा सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० आर० एस० 49/80-टी०—श्री प्रथम लाल यादव 30 जुलाई, 1980 को राज्य सभा के उपसभापति चुन लिये गये हैं।

श्री भा० भालेराव, महासचिव

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

सं० 4(19)/78 ई० पी० जेड—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री सी० बैकटरमन, अपर सचिव, वाणिज्य मंत्रालय, को श्री पी० कौल के स्थान पर जो पहले वाणिज्य विभाग में अपर सचिव थे, साप्ताहिक हस्तक्षेपनिक नियमित प्रोसेसिंग जून के प्रेसीडेंट के रूप में नियुक्त करती है और विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं० 16(2)/73 टी ए ई पी, दिनांक 20 जनवरी, 1973 में निम्नलिखित सशोधन करती है।

उपर्युक्त अधिसूचना में क्रमांक 1 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्, "श्री सी० बैकटरमन अपर सचिव, वाणिज्य मंत्रालय"।

एस० एस० जेहन, अपर सचिव

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली-110016, दिनांक 8 जुलाई 1980

संकल्प

सं० 1/4/80-इत्या०—भारत सरकार ने डा० बी० पी० पास, अध्यक्ष राष्ट्रीय पर्यावरणीय आयोग एवं समन्वय समिति (एन० सी० ई० पी० सी०) को पर्यावरणीय प्रतिरक्षा को सुनिश्चित करने के बारे में उपयुक्त विधायी उपायों तथा प्रशासनिक तन्त्र की निगरानी करने हेतु इस विभाग के 29-2-1980 के समसंख्यक संकल्प द्वारा गठित तदर्थ-समिति का सदस्य नियुक्त करने का निर्णय किया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, संबंधित विभागों/संगठनों को प्रेषित की जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जनसामान्य की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एम० जी० के० मेनन, सचिव

कृषि मंत्रालय

(कृषि तथा सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1980

सं० 3-1/72-एफ० वार्ड (टी-1)—कृषि मंत्रालय के कृषि तथा सहकारिता विभाग के 4 अप्रैल, 1979 के संकल्प सं० 26011/1/77-एफ० वार्ड (टी-1) में आंशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति, सातवीं लोक सभा के सदस्य श्री जी० सी० बार्वे को श्री नानूभाई एन० पटेल के स्थान पर (जिनका नामांकन छठी लोक सभा के भंग होने के कारण समाप्त हो गया है) कृषि मंत्रालय के कृषि तथा सहकारिता विभाग के केन्द्रीय मात्स्यकी बोर्ड के सदस्य के रूप में मनोनीत करते हैं।

सं० 3-1/72-मात्स्यकी (प्रशा०-1)—कृषि मंत्रालय के कृषि तथा सहकारिता विभाग के 4 अप्रैल, 1979 के संकल्प संख्या 26011/1/77-एफ० वार्ड (टी-1) में आंशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति राज्य सभा के सदस्य श्री पतौलपावम (प्रधान) की कृषि मंत्रालय के कृषि तथा सहकारिता विभाग के केन्द्रीय मात्स्यकी बोर्ड की सदस्यता की अवधि को आगामी आदेशों तक बढ़ाने की अनुमति देते हैं।

चिरंजीव सिंह, उप सचिव

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1980

सं० एफ० 18-9/80-यू०-5—भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् की नियमावली के नियम 3 में निहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार श्री जी० पार्थसारथी को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष के रूप में, उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए सहर्ष नामित करती है।

सोमनाथ पंडित, संयुक्त सचिव

समाज कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1980

संकल्प

सं० 1-32/77-सी० एस० डब्ल्यू० बी० (बोल-2)—समाज कल्याण मंत्रालय के 22 अप्रैल, 1978 के संकल्प सं० 1-32/77-सी० एस० डब्ल्यू० बी० और 24 जुलाई, 1979 के संकल्प सं० 1-9/79-सी० एस० डब्ल्यू० बी० के आंशिक संशोधन में भारत सरकार श्रीमती बिमा धोप गोस्वामी लोक सभा सदस्य और कुमारी पुष्पा देवी सिंह, लोक सभा सदस्य को श्रीमती कमला बहुगुणा और श्री जलम कौडाला राव के स्थान पर केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड की साधारण सभा में सहर्ष नियुक्त करती है।

2. सदस्यों का कार्यकाल 30 सितम्बर, 1980 तक अर्थात् बोर्ड की वर्तमान साधारण सभा की अवधि समाप्त होने की तारीख तक होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपि निम्नलिखित को भेज दी जाए:—

1. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सभी सदस्य।
2. सभी राज्य सरकारें/संघ शासित प्रदेश।
3. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग।
4. राष्ट्रपति सचिवालय।
5. प्रधान मंत्री कार्यालय।
6. योजना आयोग।
7. लोक सभा सचिवालय /समिति शाखा-1) को उन के 13 मई, 1980 के का० शा० सं० 7/1/सी०-1/80 के संदर्भ में।
8. राज्य सभा सचिवालय।
9. मंत्रिमंडल सचिवालय।
10. पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली।
11. महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली।
12. कम्पनी कार्य विभाग, नई दिल्ली।
13. क्षेत्रीय निवेशक, कम्पनी विधि बोर्ड, कानपुर।
14. कम्पनी पंजीकार, नई दिल्ली।
15. कार्यकारी निदेशक, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली।
16. सभी राज्य समाज कल्याण सहायकार बोर्डों की अध्यक्ष।
17. राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव।
18. श्रीमती कमला बहुगुणा।
19. श्री जलम कौडाला राव।

यह आदेश भी दिया जाता है कि यह संकल्प साधारण सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

बी० एन० बहादुर, निदेशक (एस० बी०)

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० क्यू-16011(4)/78-डब्ल्यू० ई०—केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 3 (छ) iii) के अनुसरण में भारत सरकार श्री लाल चन्द्र श्रीवा, विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार को इस सूचना के जारी होने की तारीख से उत्तर प्रदेश से सरकार के प्रतिनिधि के रूप में 16-3-1981 तक नियुक्त करती है।

2. तदनुसार, श्रम और रोजगार मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं० ई० एण्ड पी० 4(24)/58 तारीख 12 दिसम्बर 1958/29 अध्यायन, 1880 में निम्नलिखित परिवर्तन किए जाएंगे। वर्तमान प्रविष्टियों के लिए अर्थात्:—

“6. श्री सरन प्रसाद,
विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार,
श्रम विभाग, उत्तर प्रदेश”।

के लिए निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

“6. श्री लाल चन्द्र श्रीवा,
संयुक्त सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार,
श्रम विभाग, उत्तर प्रदेश”।

पी० आर० रामाकृष्णन, उप-सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 30th July 1980

No. 54-Pres./80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Kerala Police :—

Name and rank of the officer

Shri Attuvayal Onakkan Dharman,
Police Constable No. 2921,
Kerala.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 14th October, 1977, at about 1700 hours, when Shri Attuvayal Onakkan Dharman, Police Constable was going to his house he saw some children of the Government Lower Primary School Ambalavayal crossing the Cheerappi stream by climbing over the rocks as the small bridge on the stream had been washed away due to the heavy rains on that day. Two young children aged 11 years and 10 years accidentally slipped from the rock and fell into the stream and were swept away by the strong current of the stream. Shri Dharman in disregard of his personal safety jumped into the stream and rescued both the children from drowning. He also helped about 20 children who had been caught in the stream in crossing the stream safely. While doing so, he was himself carried away by the swift current of the stream along with one girl, aged 6 years. He struggled very hard to save the child and also to save his own life but he became unconscious. Some people who saw them struggling for the life rushed to the spot and succeeded in saving the constable but the girl was washed away. Shri Dharman risked his own life for saving the lives of the children and received multiple injuries.

In saving the children from drowning Shri Attuvayal Onakkan Dharman exhibited conspicuous gallantry, initiative and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 17th October, 1977.

No. 55-Pres./80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Jammu and Kashmir Police :—

Names and ranks of the officers

Shri Urgain Durjei,
Sub-Inspector of Police,
No 654/NGO,
Jammu and Kashmir.

Shri Gh. Hyder,
Constable No. 33/KL,
Jammu and Kashmir.

Shri Sonam Chewang,
Constable No. 111/KL,
Jammu and Kashmir.

Shri Abdul Rahman,
Constable No. 29/KL,
Jammu and Kashmir.

Shri Ghulam Hussain,
Constable No. 145/KL,
Jammu and Kashmir.

Shri Hashmat Ullah,
Constable No. 144/KL,
Jammu and Kashmir.

Shri Narbu Aungdus,
Constable No. 164/KL,
Jammu and Kashmir.

Shri Ghulam Nabi,
Constable No. 38/KL,
Jammu and Kashmir.

Statement of services for which the decoration has been awarded

In the last week of November, 1979, a caravan of some trucks/petrol tankers, which left Leh for Srinagar, was caught in severe blizzard at a place between Gumri and Drass. The

vehicles and their occupants got stranded there. On receipt of information about the incident, a police party consisting of Sub-Inspector Urgain Durjei and Constables Gh. Hyder, Sonam Chewang, Abdul Rahman, Ghulam Hussain, Hashmat Ullah, Narbu Aungdus and Ghulam Nabi was sent from Drass on the 28th of November, 1979 on foot. Even though the police party was advised that it would be dangerous to proceed beyond Drass as the road and other marked ways beyond Drass were under heavy snow and the temperature was minus 35 degree, yet they refused to retreat and toiled through the wilderness of the knee deep snow in order to rescue the stranded vehicles and their occupants. They rescued the stranded occupants and provided them with food and shelter. However, before the arrival of the police party, an oil tanker had already been swept off by a mighty avalanche burying it in a ravine alongwith its driver and cleaner. The police party also launched a massive operation with a view to locate the ill-fated tanker. In the sub-zero temperature and severe blizzard, the police party trackked a distance of about 50 Kms. up and down the hill in disregard of risk to their lives. They were ultimately successful in locating the dead-bodies of both the driver and the cleaner. They pulled out the dead-bodies from the snow and carried them on their shoulders and reached Drass after four days. On their way back, they also rescued another group of five persons who had also been stranded in the blizzard. The police personnel mentioned above rescued a number of stranded persons during heavy blizzards and snow in the Leh region of Jammu and Kashmir in disregard of their personal safety.

2. In this operation Shri Urgain Durjei, Shri Gh. Hyder, Shri Sonam Chewang, Shri Abdul Rahman, Shri Ghulam Hussain, Shri Hashmat Ullah, Shri Narbu Aungdus and Shri Ghulam Nabi exhibited exemplary courage, conspicuous bravery and devotion to duty of a very high order.

3. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 28th November, 1979.

No 56-Pres./80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Central Reserve Police Force :—

Name and rank of the officer

Shri Ishwar Singh Dagar,
Deputy Superintendent of Police,
6th Battalion,
Central Reserve Police Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the night of 13th/14th November, 1979, a devastating fire broke out in the Gole Market area of Gandhinagar, Jammu, on noticing the flames, the sentry on duty informed Shri Ishwar Singh Dagar, Deputy Superintendent of Police who was putting up in Central Reserve Police Force campus located nearby Shri Dagar immediately rushed to the spot and with the help of the Central Reserve Police Force and police personnel removed all the articles in the wooden shops to a safer place. Even though there was possibility of electrocution, Shri Dagar was not deterred and cut the electric wires by climbing up on the roof of a shop in order to prevent the fire from spreading to adjoining posh locality and a cinema hall. Thereafter, Shri Dagar jumped on the roof of one of the wooden shops engulfed with fire in which a number of civilians had been trapped. He forced an entry into the shop, by braking open the wooden planks from the roof top, in the process of which he received some bruises and head injury but in disregard of the injury and personal safety, he continued his courageous rescue work and carried four civilians, one by one, on his shoulders to a place of safety.

In this rescue operation Shri Ishwar Singh Dagar exhibited conspicuous gallantry, leadership and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 13th November, 1979.

No 57 Pres /80—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Delhi Police —

Name and rank of the officer

Shri Rajbu Singh,
Constable (now Head Constable),
Delhi Police,
Delhi

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 27th October, 1978, Constable Raghbir Singh of Simawas Puri Police Station, who was on lock up duty, went berserk around 8.30 a.m. and started shooting from his service rifle indiscriminately, as a result of which two men of Delhi Police and 4 members of the public were injured, and one of them died on the spot. He was moving about menacingly in the area with a loaded rifle. No one had the courage to go near him. Shri Rajbu Singh, Constable took the initiative and stealthily went up to the 1st floor of the Police Station Building and slowly crept to a place directly above constable Raghbir Singh, who continued to fire from his rifle. At an appropriate moment Shri Rajbu Singh jumped from a window of the 1st floor on to Constable Raghbir Singh who had become aware of the presence of Rajbu Singh by then. Rajbu Singh grappled with Constable Raghbir Singh during the course of which Raghbir Singh fired a shot which grazed past the shoulder and temple of Rajbu Singh. Shri Rajbu Singh did not lose courage and disarmed Constable Raghbir Singh, who was overpowered. Shri Rajbu Singh received minor injuries in his hands and legs due to the jump from the 1st floor.

In this action Shri Rajbu Singh exhibited conspicuous gallantry initiative and a very high sense of duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 27th October, 1978.

S NILAKANTAN, Dy Secy to the President

RAJYA SABHA SECRETARIAT

New Delhi, the 30th July 1980

No RS 49/80 T—Shri Shyam Lal Yadav has been chosen as the Deputy Chairman of the Council of States on the 30th July, 1980.

S S BHALFRAO, Secretary-General

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi the 23rd June 1980

No 4(19)/78-EPZ—The Central Government hereby appoints Shri C Venkataraman, Additional Secretary, Ministry of Commerce, as President of the Santacruz Electronics Export Processing Zone Board vice Shri P K Kaul, formerly Additional Secretary, Department of Commerce and makes the following amendment in the Government of India, Ministry of Foreign Trade Notification No 16(2)/73 TAEF dated the 20th January, 1973.

In the said notification for the entry against serial number 1, the following entry shall be substituted, namely —

"Shri C Venkataraman Additional Secretary Ministry of Commerce

S S TRIFHAN, Under Secy

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi 110016 the 8th July 1980

No 1/4/80-Fnv—The Government of India have decided to appoint Dr B P Pal, Chairman National Committee on Environmental Planning and Coordination (NCEPC) as one of the members of the Ad hoc Committee set up for recommending suitable legislative measures and administrative machinery for ensuring environmental protection vide this Department's Resolution of even number dated 29th February, 1980.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Members of the Committee, Departments/Organisations concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M G K MENON, Secy

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION)

New Delhi, the 9th June 1980

No 3-1/72 Fy(T1)—In partial modification of the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation)'s Resolution No 26011/1/77 Fy(T1) dated 4th April, 1979, the President is pleased to nominate Shri J C Barve, Member of Seventh Lok Sabha as member of Central Board of Fisheries of Department of Agriculture & Cooperation, Ministry of Agriculture, in place of Shri Nanubhai N Patel, whose nomination has ceased with dissolution of the Sixth Lok Sabha.

No 3-1/72 Fy(T-1)—In partial modification of the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation)'s Resolution No 26011/1/77 Fy(T-1) dated 4th April, 1979 the President is pleased to extend the tenure of office of Shri Pattipaban Piadan, Member of Rajya Sabha as Member of the Central Board of Fisheries, Department of Agriculture & Cooperation, Ministry of Agriculture till further orders.

CHIRANJIV SINGH, Dy Secy

MINISTRY OF EDUCATION & CULTURE

New Delhi, the 18th July 1980

No F 18-9/80/U 5—In exercise of the powers contained in Rule 3 of the Rules of the Indian Council of Social Science Research, Government of India is pleased to nominate Shri G Parthasarathi as the Chairman of the Indian Council of Social Science Research for a period of three years, from the date he takes over charge.

S N PANDITA, Jt Secy

MINISTRY OF SOCIAL WELFARE

New Delhi 110001, the 18th July 1980

RESOLUTION

No 1-32/77-CSWB (Vol II)—In partial modification of the Ministry of Social Welfare Resolution No 1-32/77 CSWB dated 22-4-78 and Resolution No 1-9/79-CSWB dated 24-7-79, the Government of India is pleased to nominate Smt Bibha Ghosh Goswami and Kumari Pushpa Devi Singh, Members Lok Sabha, on the General Body of the Central Social Welfare Board, vice Smt Kamla Bahuguna and Shri Julagam Kondala Rao.

2. The tenure of the Members will be upto 30th September 1980 i.e. the date on which the term of the present General Body of the Board expires.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to —

- 1 All members of the Central Social Welfare Board
- 2 All the State Governments/UT Administrations
- 3 All the Ministries/Departments of the Government of India
- 4 President's Secretariat
- 5 Prime Minister's Office
- 6 Planning Commission
- 7 Lok Sabha Secretariat (Committee Branch I) with reference to their OM No 7/1/CI/80, dated 13-5-1980
- 8 Rajya Sabha Secretariat
- 9 Cabinet Secretariat

10. Press Information Bureau, New Delhi.
11. Accountant General, Central Revenues, New Delhi
12. Department of Company Affairs, New Delhi
13. Regional Director Company Law Board, Kanpur
14. Registrar of Companies, New Delhi
15. Executive Director, Central Social Welfare Board, New Delhi
16. All Chairman State Social Welfare Advisory Boards
17. PSS to State Government/UI Administrations
18. Smt Kamla Bahuguna, MP
19. Shri Jalagam Kondala Rao, MP

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information

B N BAHADUR, Director (SD)

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 15th July 1980

No Q 16011/3/80 WE—In pursuance of the Rule 3(g) (iii) read with Rule 4(vi) of the Rules and Regulations of

the Central Board for Workers' Education, the Government of India hereby appoint Shri Lal Chandra Ojha, Joint Secretary to the Government of Uttar Pradesh on the Central Board for Workers Education as representative of the Government of Uttar Pradesh, with effect from the date of issue of this Notification upto 16th March, 1981.

2 The following changes will be made accordingly in the Ministry of Labour & Employment Notification No L&P 4 (24)/58 dated the 12th December, 1958/Agrahayana 29, 1880 as amended from time to time

For the existing entries viz —

- * 6 Shri Saran Prasad,
Special Secretary to the Government of Uttar Pradesh Labour Department, Uttar Pradesh

The following entries shall be substituted viz

- * 6 Shri Lal Chandra Ojha,
Joint Secretary to the Government of Uttar Pradesh, Labour Department Uttar Pradesh

P R RAMAKRISHNAN Under Secy